

इम्फाई कि विंि क्कारण्ड में "नरु परिवेश में प्रबंधन की पुनौतियाँ- आगे की राह" विषय पर
राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

राँची, नवंबर 07, 2012

यह राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्योग जगत, शिक्षा जगत तथा सरकार से जुड़े विभिन्न शिक्षाविद् व पेशेवर को उक्त विषय पर चिंतन करने के लिए एक सामूहिक मंच प्रदान किया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य प्रबंधन के विभिन्न दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श करना तथा प्रतिभागियों को भविष्य के लिए अपनी रणनीतियों को फिर से परिभाषित करने के लिए सक्षम बनाना था। इस एक दिवसीय संगोष्ठी के माध्यम से विंि क्क का भव्य प्रतिभागियों के साथ उमरों का रोमांच महील के बारे में, प्रतिष्ठा के लिए तैयारी तथा नये-गतिशील व्यवसाय के वातावरण में जोखिम को कम करते हुए उमरों अवसरों को मुनने से संबंधित विचारों का आदान-प्रदान करना था।

प्रो. ओ. आर. एस. राव, विंि क्क के कुलपति ने प्रमुख वक्ताओं, मेहमानों तथा छात्रों का संगोष्ठी में स्वागत करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लोगों की जीवनशैली में नाटकीय परिवर्तन देखने को मिला है और कि मुख्यतः तकनीकी विकास, गतिशीलता और सोशल नेटवर्किंग आदि जैसे कारकों से संचालित हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ "प्रबंधक" के बजाय "सफल प्रबंधन" को संचालित करने वाले नेतृत्व की जरूरत आज हमारे सामने है।

संगोष्ठी का मुख्य माध्यम रहे हुए डॉ. एम. जे. जे. विंि क्क, निदेशक, आईआईएम-राँची ने उमरों पुनौतियों तथा उम पुनौतियों से संबंधित परिवर्तन के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। श्री एल. आर. सेनी, क्षेत्रीय निदेशक, डीएवी ने शिक्षा प्रणाली में नवीनीकरण की जरूरत पर जोड़ दिया। डॉ. आर. आर. मिश्रा, कार्मिक निदेशक, सीएलए ने अपने मुख्य अतिथि माध्यम में प्रबंधन कार्यकर्ताओं तथा छात्रों को बढ़ते हुए माहील में खुदको समायोजित करने की सलाह दी तथा नेताओं व मजदूरों के बीच संबंध विकसित करने के अलावा सामाजिक दायित्व, पुनर्वास आदि पहलुओं पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

डॉ. के. के. नाग, वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार, फेडरेशन, इम्फाई ने बुनियादी मानकृति के विभिन्न पहलु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आत्म-प्रबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

संगोष्ठी में प्रमुख संस्थानों जैसे- IIM, NMIMS, NIFT, XISS, BIT, CUJ, DAV, राँची विंि क्क, उषामार्तिन, केजरीवाल संस्थान, पंजाब विंि क्क, और प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट जगत जैसे मैकॉन, एसबीआई, जेडए, डीएसए, सीसीएल, रिनायस रिटेल, कैपिल होटल, अमिजित ग्रुप के प्रमुख वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र के बाद विविध क्षेत्रों से आये हुए प्रतिनिधियों ने विंि क्कों तथा पैनल की उपाध्यक्षि में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में विषय से जुड़े हुए कुल 25 तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

विंि क्क के कुलसचिव डॉ. बी. एम. सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। संगोष्ठी में प्रो. ए. एस. प्रसाद, विंि क्क के आधिकारीगण, शिक्षकगण, छात्रगण तथा अन्य आमंत्रित लोगों ने भाग लिया।

